



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 152 ]  
No. 152]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 1, 1999/आषाढ़ 10, 1921  
NEW DELHI, THURSDAY, JULY 1, 1999/ASADHA 10, 1921

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1999

विषय : दक्षिण कोरिया से आप्टीकल फाइबर के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत।

सं. 24/1/99-डीजीएडी.—मैसर्स स्टर्लाइट इण्डस्ट्रीज लि० ने निर्दिष्ट प्राधिकारी  
§ जिन्हें इसके पश्चात् प्राधिकारी कहा जाएगा § के समक्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क  
टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ § पाटित वस्तुओं की पहचान, उनपर 4/2 नोर्सेकी  
शुल्क का निर्धारण तथा संग्रहण एवं क्षति निर्धारण § नियम, 1995 के अनुसार एक याचिका  
दायर की है जिसमें दक्षिण कोरिया से आप्टीकल फाइबर की डीम्पिंग का आरोप लगाया  
गया है और पाटन-रोधी जांच करने तथा पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है।

1. शामिल उत्पाद: वर्तमान याचिका में शामिल उत्पाद दक्षिण कोरिया मूल का  
अथवा वहां से निर्यातित आप्टीकल फाइबर है § जिसे इसके पश्चात् विषयाधीन  
वस्तु कहा गया है § ।

आप्टीकल फाइबर सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क  
उपशीर्ष सं० 9001.10 के तहत वर्गीकृत है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल तांकेतिक  
है और वर्तमान समीक्षा के संबंध में किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

2. घरेलू उद्योग की हैसियत: यह याचिका मैसर्स स्टर्लाइट इण्डस्ट्रीज लि० द्वारा  
दायर की गई है जिसका पंजीकृत कार्यालय औरंगाबाद, महाराष्ट्र में है। भारत

में आर्टीकल फाइबर के पांच उत्पादक हैं जिनमें से एक विनिर्माता विषयाधीन देश से कथित पाटित उत्पाद का आयातक है और इस प्रकार वह नियमों के अन्तर्गत घरेलू उद्योग नहीं है। इस प्रकार याचिकाकर्ता सहित केवल चार ऐसे विनिर्माता हैं जिनकी घरेलू उद्योग का हैसियत पर विचार किया जाना है। घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन में याचिकाकर्ता का हिस्सा 79.40% बनता है। अतः वे याचिका दायर करने के लिए अपेक्षित हैसियत रखते हैं।

3. शामिल देश: वर्तमान जांच में शामिल देश दक्षिण कोरिया है § जिसे इसके पश्चात् विषयाधीन देश भी कहा गया है।
4. समान वस्तु: याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि विषयाधीन देश से कथित रूप से उम्प किए गए उत्पाद और उनके उत्पाद में कोई अन्तर नहीं है। दोनों में एक समान तकनीकी विशेषताएं हैं और उनका अन्तिम उपयोग भी एक समान है। इसलिए उन्हें प्रथमदृष्टया नियमों के अर्थ में समान वस्तु माना गया है।
5. डम्पिंग तथा डम्पिंग मार्जिन:
  - §क§ सामान्य कीमत: याचिकाकर्ता ने विषयाधीन देश से अन्य देशों को किए गए निर्यात की तुलनात्मक निर्यात कीमत के आधार पर सामान्य कीमत का दावा किया है। संदर्भाधीन देश में आर्टीकल फाइबर की सामान्य कीमत के संबंध में प्रथमदृष्टया पर्याप्त साक्ष्य हैं।
  - §ख§ निर्यात कीमत: याचिकाकर्ता ने विषयाधीन देश से निर्यात कीमत का दावा भारतीय पत्तनों से सी आई स्फ आंकड़ों के आधार पर किया है। उन्होंने कारखाना स्तर पर शुद्ध निर्यात कीमत निकालने के लिए बीमा तथा भाड़े के संबंध में समायोजन का दावा किया है।
  - §ग§ डम्पिंग मार्जिन: उपर्युक्त सामान्य कीमत तथा निर्यात कीमत पर विचार करते हुए जो डम्पिंग मार्जिन निकाला गया है, वह न्यूनतम सीमा स्तर से बहुत अधिक है।

इससे प्रथम दृष्टया यह संकेत मिलता है कि निर्यातकों द्वारा विषयाधीन उत्पाद उम्प किया जा रहा है।

6. क्षति स्वप्न कारणात्मक संबंध: घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न आर्थिक संकेतक जैसे बाजार हिस्सा, लाभकारिता, मूल्य, क्षमता उपयोग तथा माल सूची सामूहिक एवं संचयी रूप से इस बात को दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। इस बात के पर्याप्त साक्ष्य हैं कि विचाराधीन उत्पाद के आयात से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
7. पाटनरोधी जांच शुरू करना: उपर्युक्त पैराग्राफ को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी विषयाधीन देश के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए विचाराधीन उत्पाद को कथित डीम्पिंग के अस्तित्व, मात्रा और प्रभाव का पाटनरोधी जांच शुरू करते हैं।
8. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि 1 अप्रैल, 1998 से 28 फरवरी, 1999 है।
9. सूचना प्रस्तुत करना: विषयाधीन देश के निर्यातकों तथा भारत के संबंधित ज्ञात आयातकों को इस आशय के अलग-अलग पत्र भेजे जा रहे हैं कि वे निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से अपने-अपने विचार निर्दिष्ट प्राधिकारी, वाणिज्य मंत्रालय, पाटनरोधी प्रभाग, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को भेज दें। अन्य कोई इच्छुक पार्टी भी इस जांच के संबंध में अपनी जानकारी निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित ढंग से नीचे दी गई समय सीमा के भीतर प्रस्तुत कर सकती है।
10. समय सीमा: वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में प्राधिकारी को उपर्युक्त पते पर भेजी जाए ताकि वह इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिन के भीतर प्राप्त हो जाए। तथापि जिन ज्ञात निर्यातकों तथा आयातकों को अलग से पत्र लिखे जा रहे हैं उन्हें यह सूचना अलग से उन्हें लिखे गए पत्र की तारीख से चालीस दिन के भीतर प्रस्तुत करनी होगी।
11. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण: नियम 687 के शर्तों के अनुसार कोई भी हितबद्ध पार्टी सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकती है जिसमें अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश होते हैं।
12. ऐसे मामले में जहां कोई हितबद्ध पार्टी पंडुच के लिए मना करती है, अथवा अन्यथा आवश्यक सूचना एक उचित अवधि के भीतर उपलब्ध नहीं कराती है, अथवा

महत्वपूर्ण स्तर से जांच में बाधा डालती है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्षों को रिकार्ड कर सकता है और केन्द्रीय सरकार को ऐसी सिफारिशें दे सकता है जिन्हें वह उपयुक्त समझता है।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE

### NOTIFICATION

New Delhi, the 1st July, 1999

**Subject : Initiation of anti-dumping investigation concerning import of Optical Fibre from South Korea.**

**No. 24/1/99-DGAD.**— M/s Sterlite Industries Ltd. has filed a petition in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) alleging dumping of Optical Fibre from South Korea and requested for anti-dumping investigation and levy of anti-dumping duties.

1. **Product Involved** : The product involved in the present petition is Optical Fibre (also referred as subject goods hereinafter) originating in or exported from South Korea.

Optical Fibre is classified under custom sub-heading No. 9001.10 of the Customs Tariff Act, 1975. The classification is, however only indicative and in no way binding on the present investigations.

2. **Domestic Industry Standing** : The petition is filed by M/s Sterlite Industries Ltd. with registered office at Aurangabad, Maharashtra. There are five producers of Optical Fibre in India out of whom one manufacturer is an importer of the alleged dumped product from the subject country and hence does not form part of the domestic industry under the Rules. Thus there are only four manufacturers including the petitioner to be considered for domestic industry standing. The petitioner's share constitutes 79.40% of the total production of the domestic industry. Hence they have the requisite standing to file the petition.
3. **Country involved** : The country involved in the present investigation is South Korea (also referred to as subject country hereinafter).

4. **Like Goods** : The petitioner have claimed that there is no difference between their product and the allegedly dumped product from the subject country. Both conform to the same set of technical specifications and have the same end-use. Therefore they are prima-facie treated as like articles within the meaning of the Rules.

5. **Dumping and Dumping margin :**

(a) **Normal value** : The petitioner have claimed normal value on the basis of comparable export prices of the subject country to the other countries. There is sufficient prima facie evidence with regard to normal value of Optical Fibre in the country under reference.

(b) **Export price** : The petitioner have claimed the export price from the subject country based on CIF data from Indian ports. They have claimed adjustments in respect of insurance and freight to arrive at the net export price at the factory level.

(c) **Dumping Margin** : Considering the normal value and export price as detailed above, the dumping margin which is arrived at is significantly higher than the de-minimus limits.

This prima facie indicates that the subject goods are being dumped in India by the exporters.

6. **Injury and Causal Link** : The various economic indicators relating to domestic industry such as market share, profitability, price, capacity utilisation and inventory collectively and cumulatively, indicate that the domestic industry has suffered injury. There is sufficient evidence that the imports of the product under consideration have caused injury to the domestic industry.

7. **Initiation of Anti-Dumping Investigation** : The Designated Authority, in view of the foregoing paragraph, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country.

8. The period of investigation for the purpose of present investigation is 1st April 1998 to 28<sup>th</sup> February, 1999.

9. **Submission of Information** : The exporters in the subject country and the importers in India known to be concerned are being addressed separately to submit relevant information in

Anti-Dumping Division, Udyog Bhawan, New Delhi-110011.  
Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

10. **Time Limit** : Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are, however, required to submit the information within forty days from the date of letter addressed to them separately.
11. **Inspection of Public File** : In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.
12. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority

1960 G/99